Estd. 1961
वर्ष - 9 अंक 4
मूल्य - रु 1/-
अक्तूबर-दिसम्बर 2018

# हिम चेतना

## HIM CHETANA

(NAAC द्वारा मूल्यांकित एवं प्रत्यायित)
(उस्मानिया विश्वविद्यालय एवं यू.जी.सी.से संबद्ध)
Website : www.hindimahavidyalaya.org
E-mail : info@hindimahavidyalaya.org

हिन्दी महाविद्यालय का मुखपत्र
(त्रैमासिक)

# INNOVATION SKILLS AND EXCELLENT OPPORTUNITIES

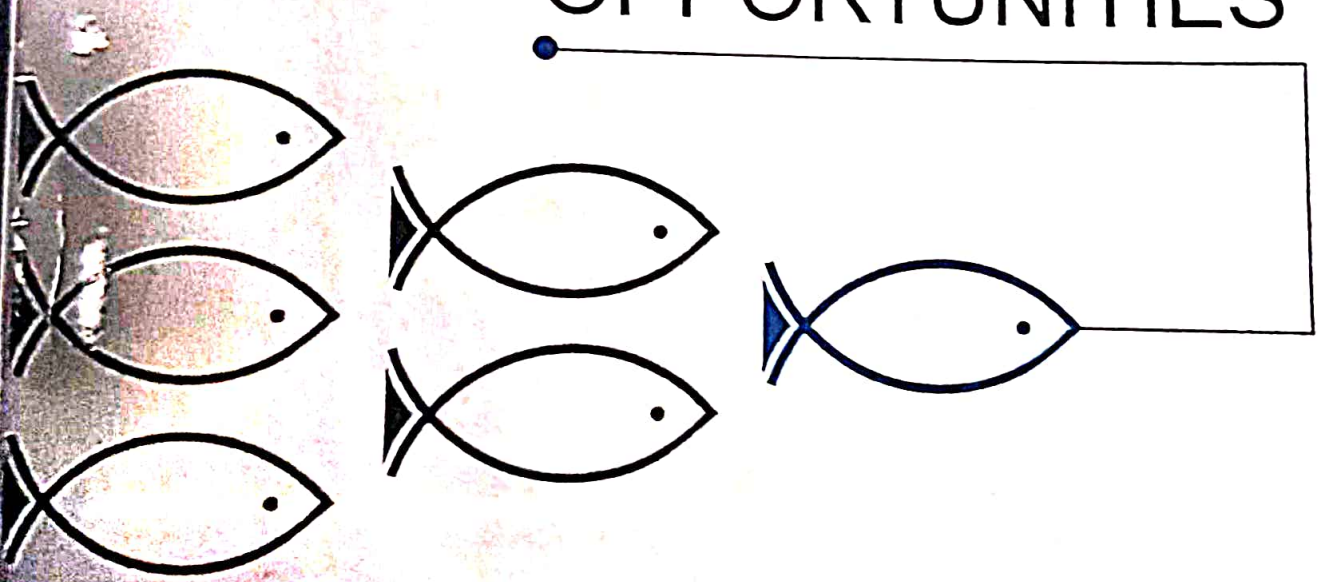

हिन्दी महाविद्यालय
(AUTONOMOUS)
जूनियर, डिग्री एवं पी.जी. कॉलेज एवं M.C.GUPTA COLLEGE OF BUSINESS MANAGEMENT
नल्लाकुंटा, उस्मानिया युनिवर्सिटी रोड, शंकर मठ के समीप, हैदराबाद - 500 044.
फोन: 040-2761 6330, फैक्स : 040-6666 1860

# हिन्दी महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 1 अक्तूबर 2018 को हिन्दी महाविद्यालय के रिसर्च विंग द्वारा आइ.सी.एस.एस.आर. के कार्यक्रमों तथा योजनाओं से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ.के.एल. खेरा उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. उपेंद्र शास्त्री नें शोधकार्य पर एक विस्तृत वक्तव्य प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् प्राचार्य डॉ. पी. उमा ने डॉ.के.एल. खेरा के आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शोधकार्य हेतु नियमावलियों का संक्षिप्त परिचय दिया।

संस्थाध्यक्ष श्री सुरेंद्र लूणिया अपने स्वप्न को साकार होते देख प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि डॉ.के.एल. खेरा के आगमन एवं उचित मार्गदर्शन से महाविद्यालय के प्राध्यापक जो अभी तक किन्हीं कारणों वश पीएच.डी. की उपाधि नहीं प्राप्त कर पाए हैं। उनके लिए यह एक स्वर्णिम अवसर होगा कि वे भी डॉक्टरेट की उपाधि से सुशोभित हो सकेंगे।

अध्यक्ष सुरेंद्र लूणिया जी ने मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्पगुच्छ द्वारा किया तत्पश्चात् प्राचार्य डॉ. पी. उमा, डॉ. उपेंद्र शास्त्री, उपप्राचार्य पूजा कौशल, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. श्रीदेवी, डॉ. रवि कुमार, जयराज, वकील पांडेय एवं मधुसूदन आदि ने शॉल एवं स्मृति चिह्न देकर अतिथि का सम्मान किया।

डॉ. के.एल. खेरा जी ने अपने वक्तव्य में सर्वप्रथम आई.सी.एस.एस.आर. संस्था के बारे में चर्चा करते हुए यह बताया कि यह शिक्षकों, शोधार्थियों के लिए किस प्रकार उपयोगी साबित हो सकती है तथा शोधकार्य करते हुए शिक्षक अथवा गैर शिक्षक दो वर्ष तक नियमित आय के रूप में अपना शोधकार्य करते हुए शोध प्रबंध प्रस्तुत कर सकते हैं। तत्पश्चात् उन्होंने शोधकार्य के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक अच्छा शिक्षक एक अच्छा शोधकर्ता माना जाता है। समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में शिक्षक का अमूल्य योगदान होता है। इसलिए उसे शोधकार्य में निरंतर सक्रिय होना चाहिए। इस कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन बी.वोक. विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. उपेंद्र शास्त्री ने किया तथा आभार ज्ञापन भौतिक शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीदेवी ने किया।

# हिन्दी महाविद्यालय में 'शोध कार्य की रूपरेखा निर्माण' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन

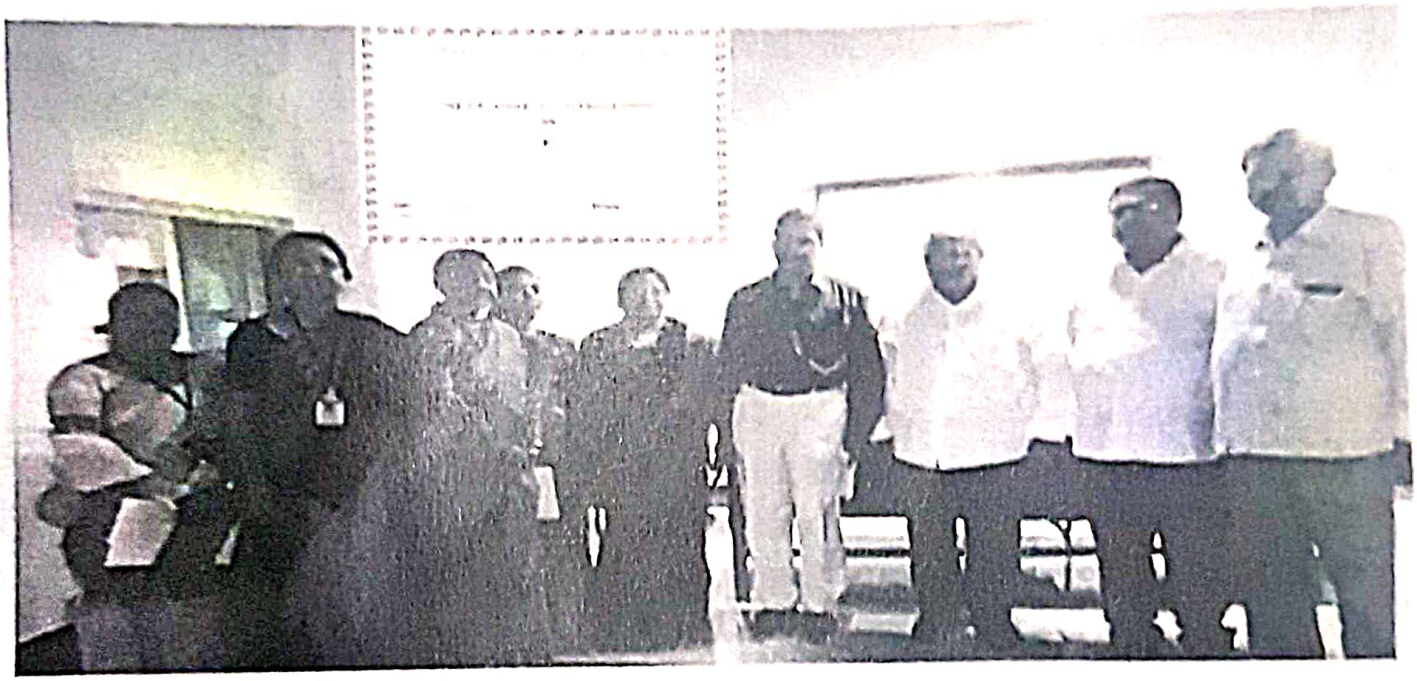

हिन्दी महाविद्यालय में शोध और परामर्श केंद्र द्वारा आज बुधवार, 12 सितंबर को शोध कार्य के दिशा-निर्देश हेतु एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें ' शोध कार्य की रूपरेखा निर्माण ' विषय पर व्याख्यान दिया गया। इसमें प्रमुख वक्ता के रूप में पूर्व डीन, वाणिज्य विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्रो. के.वी. अचलापति उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तथा भौतिकशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीदेवी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। उपप्राचार्य श्रीमती पूजा कौशल ने मुख्य वक्ता का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। तत्पश्चात् हिन्दी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. पी. उमा ने स्वागत भाषण दिया। बायोकेमेस्ट्री विभाग की प्राध्यापिका जी. लहरी ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। मुख्य वक्ता ने अपने व्याख्यान में शोध कार्य की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए शोध विषय के चयन के विभिन्न स्तरों का विश्लेषण परक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। शोधकर्ता के लिए आवश्यक बिंदुओं पर प्रकाश डाला। साथ ही यह बताया कि शोधकार्य के द्वारा व्यक्ति में एक विश्लेषणात्मक दृष्टि उत्पन्न होती है, जो शिक्षण कार्य में सहायता प्रदान करती है। प्राचार्य पी. उमा, उपप्राचार्य श्रीमती पूजा कौशल, राजनीति शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुरभि तिवारी, वाणिज्य विभाग के वकील पांडेय, मधुसूदन, एम.सी. गुप्ता कॉलेज की उपप्राचार्य श्रीमती प्रीति सारडा आदि ने मुख्य वक्ता का शॉल ओढ़ाकर सत्कार किया।

## ONE DAY WORKSHOP ORGANISED

On October 1, 2018, a one day workshop, related the programs and schemes of ICSSR was organized by the research wing of Hindi Mahavidyalaya. Dr.K.N.KHERA, former director of the Indian council of social science research, New Delhi, was present as the chief guest in the program.

At the beginning of the program, Dr.Upendra shastri presented a detailed statement on the research work, after which expressing happiness on the arrival of Dr.K.N.KHERA and gave a brief introduction on the rules for research work.

College president shri surendra luniya expressed his happiness to see his dream come true and said that with the proper guidance of Dr.K.N.KHERA, it will be a golden opportunity for the professors those who did not completed their P.hd yet. President shri surendra luniya ji welcomed the chief guest with a bouquet, then principal. Dr.P.UMA, Dr.UPENDRA SHASTRI, Vice Principal Pooja kaushal, Senior Professor Dr.Sridevi, Dr.Ravi Kumar, Jairaj wakil pandey and Madhusudan presented shawl and hounoured the guest by giving memento.

Dr.K.N.KHERA ji in his statement first discussed about the ICSSR organization and told how it can prove useful for teachers and researchers and while doing research work teachers or non-teachers can earn their regular income for 2 years and can present dissertation while doing research work. After that, he threw light on the expansion of research work he said that a teacher is considered a good researcher, a teacher contributes to society and nation building. That's why he should be continuously active in research work. This program was organized and coordinated by Dr. Upendra shastri, the nodal officer of the B.Voc and Head dept of physics Dr.Sridevi.

# ONE DAY GUEST LECTURE ORGANISED ON THE TOPIC

## Preparation of outline of research work

On Wednesday, September 12, a one day guest lecture was organized by the research and counseling center of Hindi Mahavidyalaya.

Former Dean, Dept of commerce, Prof. V. ACHALAPTHI Osmania University was present on this occasion the keynote speaker.

The program started with the lighting of the lamp and head dept of physics Dr. Sridevi presented sraswati vandana. Vice principal Smt.Pooja Kaushal welcomed the chief speaker by presenting her with a bocequet. After tha Dr.P.Uma, Principal of Hindi Mahavidyalaya gave the welcome speech.

Prof of Biochemistry dept Miss Lahiri introduced the keynote speaker.

The Guest in his lecture presented an analytical approach to different levels of research topic selection while clarifying the outline of the Research work and highlighted important points for the researcher. Along with this, it was told that through research work, an analytical vision arises in a person which helps in teaching work.

Principal P.UMA, Vice Principal Mrs.Pooja Kaushal, Head dept of political science Dr.Surabhi Tiwari, Wakil Pandey of commerce Dept.Madhusudan, Vice Principal of MC.GUPTA COLLEGE Mrs.Preeti Sarda felicitated the chief Guest with a shawl.